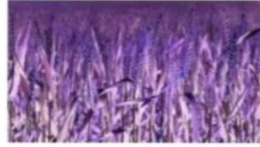


मुख्य फसल - गेहूं और जौ Main Crop - Wheat and Jowar

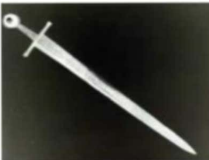


वस्त्र - सूती, ऊनी Clothes - Cotton, Wool



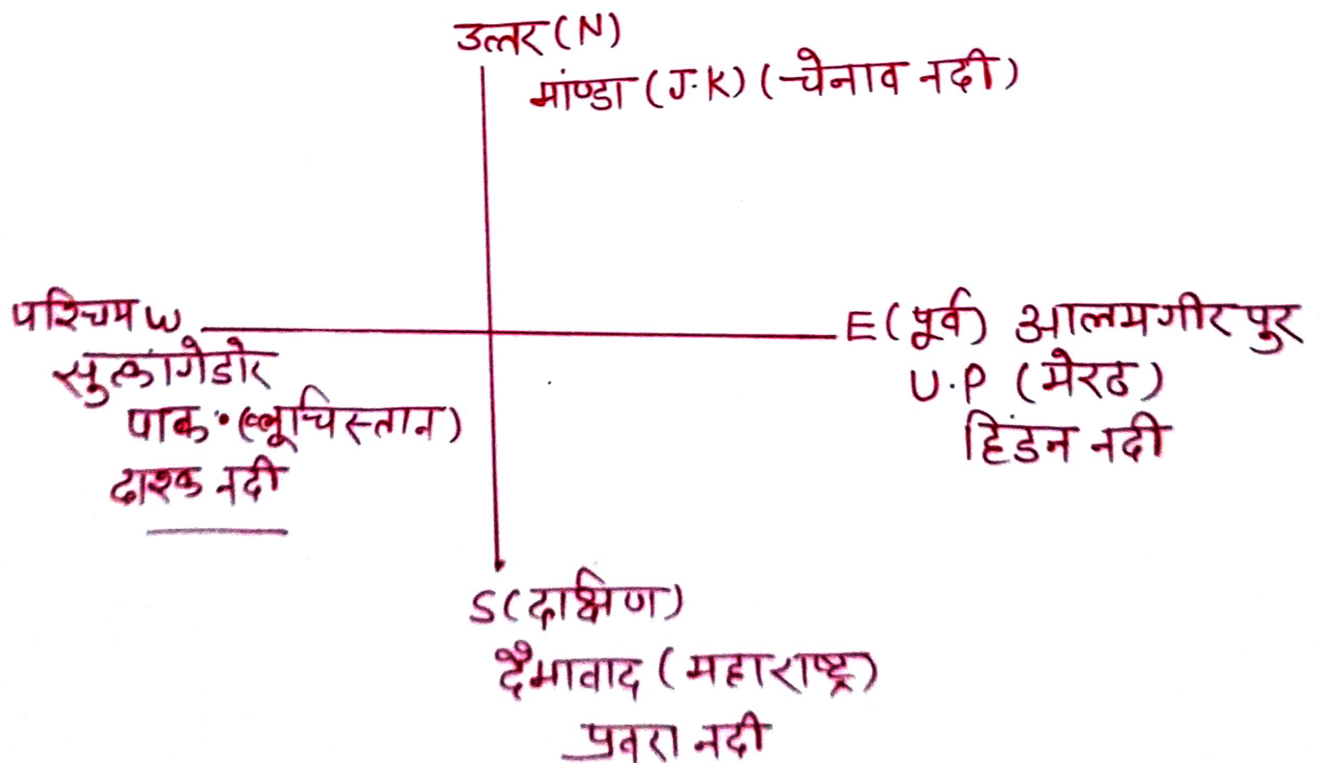
यहां के लोग तलवार से परिचित नहीं थे।

The people here were not familiar with the sword.



सिंधु घाटी सभ्यता का भौगोलिक विस्तार

Geographical Expanse of Indus Valley Civilization



- मोहरों पर सबसे अधिक **एक श्रृंगी पशु** का अंकन मिलता है।

The most common imprint on seals is that of a one-horned animal.

बजरंगी (Goat), घोड़ा, बैल, खरगोश v.c.



- मुहरें बनाने के लिए **सेलखड़ी** का उपयोग किया जाता था। मुहरें कई प्रकार की होती थीं, जैसे **आयताकार**, **वर्गाकार** और **गोलाकार**।

Steatite was used to make seals. There were many types of seals, such as rectangular, square and circular.

रश्मि पत्थर का मुलायम पत्थर (Soft stone)

- मुहरों का उपयोग **व्यापारिक उद्देश्यों** के लिए किया जाता था, जैसे जार को **सील करना** और **बोरियों** पर टैग लगाना।

The seals were used for trading purposes, such as sealing jars and putting tags on sacks.

- यहां के **लाल मिट्टी** से बने बर्तनों का प्रयोग करते थे जिन पर **काले रंग** की चित्रकारी होती थी।

The utensils made here were made of red clay which had black colour painting on it.



- आग में पकी हुई मिट्टी को **'टेराकोटा'** कहा जाता था।

The clay baked in fire was called 'terracotta'.



- यातायात के लिए **दो पहियों और 4 पहियों वाले** बैल-गाड़ी का प्रयोग करते थे।

Two wheeled and four wheeled bullock carts were used for transportation.



- **शासन/प्रशासन** वाणिज्यिक वर्ग के हाथों में था।

The governance/administration was in the hands of the merchant class.

विदेशी व्यापार foreign trade

तांबा - खेतड़ी, बलूचिस्तान, ईरान Copper - Khetra, Baluchistan, Iran

चांदी - अफगाण, ईरान Silver - Afghanistan, Iran

सोना - कर्नाटक, अफगाण, ईरान Gold - Karnataka, Afghanistan, Iran

टिन - अफगाण, ईरान Tin - Afghanistan, Iran सोलखडी → राजस्थान, गुजरात, अफगाण

सीसा - ईरान Lead - Iran

सिंधु घाटी सभ्यता के पतन का कारण बाढ़ को माना जाता है।

Floods are considered to be the reason for the decline of the

Indus Valley Civilization.

पद प्रणाली (Padda system) ✓ वैश्यावृत्ति ✓ (Prostitution) के लोग को पकड़ने का जान था।

मुष्प फसल - जेहूजी

⇒ क्या पहा के लोग तलवार से परिचित थे X

⇒ मोहरी पर सबसे अधिक अंकन किस पशु का है।
↳ एक श्रृंगी

↳ किसकी बनी - सैलखडी

↳ आकार - आपाताकार, वर्गाकार, गोलाकार

↳ उद्देश्य - व्यापारिक उद्देश्य के लिए प्रयोग

⇒ पातापात - 2/4 पहिपै की वैलगाडी

⇒ उटीली में विमानित नगर - घौरावीरा

⇒ किस नगर को UNESCO में किपा

⇒ वर्तन कैसे - लाल मिट्टी

गपा है 2021 में

सिंधु घाटी सभ्यता के स्थल Sites of the Indus Valley Civilization

मुख्य स्थल				
स्थल	उत्खनन वर्ष	उत्खनन कर्ता	स्थल की स्थिति	नदी
हड़प्पा	1921	दया राम साहनी	शाहीवाल (पंजाब, पाकिस्तान) ✓	रावी
मोहनजोदड़ो	1922	राखल दास बनर्जी	लरकाना (सिन्ध, पाकिस्तान) ✓	सिन्धु
सुत्कागेंडोर	1927	आर.एल. स्टाइन	बलूचिस्तान (पाकिस्तान)	दाश्क
चन्हूदड़ो	1931	एन.जी. मजूमदार	सिन्ध (पाकिस्तान)	सिन्धु

डाबर कोट	1935	अर्नेस्ट मैके	बलूचिस्तान (पाकिस्तान)	झोबघाटी
कोटदीजी	1935	घुर्ये ✓	सिन्ध (पाकिस्तान)	सिन्धु
रोपड़ → १४	1953	यज्ञदत्त शर्मा	पंजाब (भारत)	सतलज
राखीगढ़ी	1969	सूरजभान, रफीक मुगल	हिसार (हरियाणा)	घग्घर
बनावली	1973	रवीन्द्र सिंह बिष्ट R.S. बिष्ट	फतेहाबाद (हरियाणा)	घग्घर
धौलावीरा	1990-91	रवीन्द्र सिंह बिष्ट	कच्छ (गुजरात)	मानसर, मानहर

देसलपुर	-1963-64	पी.पी. पांड्या, एम.ए. धाके	कच्छ (गुजरात)	
लोथल	1957	एस.आर. राव	अहमदाबाद (गुजरात)	भोगवा
सुरकोटड़ा	1964	जगपति जोशी	कच्छ (गुजरात)	
रंगपुर	1931	माधोस्वरूप वत्स	अहमदाबाद (गुजरात) ✓	मादर
आलमगीरपुर	1958	यज्ञदत्त शर्मा	मेरठ (उत्तरप्रदेश)	हिण्डन
कालीबंगा	1953 ✓	अमलानन्द घोष	हनुमानगढ़ (राजस्थान)	घग्घर

→ 1951-1 पहली बार

दैमावाद	1974-79	एस.ए. सली	अहमदनगर (महाराष्ट्र).	प्रवरा
सोत्का कोह	1962	डेल्स	बलूचिस्तान (पाकिस्तान)	शादीकौर
मांडा	1976-77	मधु बाला एवं जे.पी. जोशी	जम्मू (भारत)	चिनाब

→ उत्तर (N) → मांडा
→ west → सुल्तानगढ़ौर
→ south → दैमावाद
→ east → आलमगीरपुर

हड़प्पा → खोज → 1921,
→ नदी → रावी
→ स्थिति → पाल्ण
मोहनजोदड़ो → खोज → 1922
→ नदी → सिंध
→ स्थिति → पाल्ण